DREAM TOPPER
Best E-learning Platform
Download pdf..
Www.dreamtopper.in

SACHIN DAKSH

dreamtopper.in

B.Sc. Second Year Examination, 2011
BOTANY-V Systematics of Angiosperms

Time : 3 Hours] (B-202) [M.M. : 33

नोट : इस प्रश्न-पत्र को तीन खण्डों—अ, ब तथा स में विभाजित किया गया है। खण्ड-अ में विस्तृत-उत्तरीय प्रश्न, खण्ड ब में लघु-उत्तरीय प्रश्न तथा खण्ड स में अति लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी खण्डों को निर्देशानुसार हल करें।

This paper is divided into three Sections-A, B and C. Section-A contains Descriptive Answer Questions, Section-B contains Short Answer Questions and Section-C contains Very Short Answer Questions. Attempt all the Sections as per instructions.

खण्ड-अ (Section-A)

इस खण्ड में छः प्रश्न हैं, किन्हीं तीन प्रश्नों को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

This Section contains six questions, attempt any three questions. Each question carries 7 marks. Answer must be descriptive.

1. बेन्थम एवं हुकर द्वारा प्रस्तावित आवृतबीजियों के वर्गीकरण का वर्णन कीजिए और इनकी पद्धति के गुण एवं दोषों का उल्लेख कीजिए।
Describe Bentham and Hooker's classification of Angiosperms, also describe the merits and demerits of the system.

2. कुछ प्रमुख सिद्धान्तों एवं नाम पद्धति के नियमों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
Briefly describe some important principles and rules of Nomenclature.

3. आवृतबीजियों के वर्गीकरण के नवीनतम आधार क्या हैं ? आवृतबीजियों के वर्गीकरण में कोशिका विज्ञान एवं परागाणु विज्ञान के योगदान का उल्लेख कीजिए। What are modern trends in classification of Angiosperms. Describe contributions of cytology and palynology in plant taxonomy.

4. फैबेसी कुल के पौधों के पुष्पीय लाक्षणिक गुण और आर्थिक महत्व का वर्णन करिए।
Describe the floral characteristics and economic importance of family Fabaceae.

5. एपियेसी कुल का वर्णन करिए और इस कुल के आर्थिक महत्व वाले कम से कम पाँच पादपों के नाम लिखिए। Give an account of family Apiaceae and give names of atleast five economically important plants of the family.

6. चित्रों की सहायता से पोएसी कुल का वर्णन कीजिए।
Give an account of family Poaceae with the help of diagrams.

खण्ड-ब (Section-B)

इस खण्ड में तीन प्रश्न हैं, किन्हीं दो को हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 3 ½ अंकों का है।

This Section contains three questions, attempt any two questions. Each question carries 3 ½ marks.

7. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए—Write notes on the following:
   (i) यूफोरबिएसी कुल का पुष्पक्रम। Inflorescence of Euphorbiaceae.
   (ii) द्विपद नाम पद्धति। Binomial system of Nomenclature

8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : Write notes on the following:
   (i) रोसेसी कुल का आर्थिक महत्त्व। Economic importance of Rosaceae.
   (ii) पुंवर्तिकाग्र छत्र। Gynostegium.

9. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए : Write notes on the following:
   (i) दलाभिमुख-द्विवर्तपुंकेसरी। Obdiplostaminous condition.
   (ii) प्राथमिकता का सिद्धान्त। Rule of priority.

खण्ड-स (Section-C)

इस प्रश्न के पाँच भाग हैं, सभी भाग अनिवार्य है।

This question contains five parts, all parts are compulsory.

10. (i) कोरिएन्डर (धनिया) । Coriander.

उत्तर—धनिया (Coriander)—इस पौधे के फल व बीज मसालों के रूप में, पत्तियाँ चटनी आदि के रूप में प्रयोग की जाती यह अम्बेलीफरी कुल का पौधों है।

dreamtopper.in

Scanned with CamScanner

(ii) अनाज (धान्य) । Cereals

उत्तर—अनाज (Cereals)—गेमीनी कुल के अन्तर्गत आने वाले पौधें जो मनुष्य के लिए भोजन के काम आते हैं, अनाज कहलाते हैं। जैसे—गेहूँ, मक्का, चावल, जौ, जई, ज्वार, बाजरा पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग किया जाता है।

(iii) साइथियम । Cyathium.

उत्तर—साइथियम (Cyathinm)—यह यूफोरबिया पादप का लाक्षणिक पुष्प क्रम है। यह यूफारबिएसी कुल के पौधों में पाया जाता है।

(iv) जायांगनाभिक वर्तिका । Gynobasic style.

उत्तर—जायांगनाभिक वर्तिका (Gynobasic style) – इस प्रकार की वर्तिका जो अण्डाशय के केन्द्र में एक गर्त अथवा थैलेमस से सीधे विकसित होती है। यह लेबिएटी कुल के सदस्यों का एक लाक्षणिक गुण है। जैसे—Salvia afficinalis में।

(v) सोलेनेसी कुल में जायांग । Gynoecium in Solanaceae.

उत्तर—सोलेनेसी कुल में जायांग (Gynoecium in Solanaceae) – सोलेनेसी कुल में जायांग द्विअण्डपो तथा संयुक्तअण्डपी होता है। प्रत्येक कोष्ठक में अनेक बीजाण्ड होते हैं तथा बीजाण्डन्यास अक्षवर्ती होता है। इसके अतिरिक्त इसमें पटतिर्यक व बीजाण्डासन फूला हुआ होता है। अण्डाशय उर्ध्व तथा द्विकोष्ठी होता है। वर्तिका सरल तथा वर्तिकाग्र द्विपालिक होता है।

dreamtopper.in

Scanned with CamScanner